मोधवेथ महोत्सव

[स्रोत: द हिंदू](#)

चर्चा में क्यों?

तमिलनाडु के [नीलगिरी पहाड़ियों]() में सबसे पुराने द्रविड़ जातीय समूहों में से एक, [टोडा जनजाति]() ने नववर्ष के उपलक्ष्य में अपना पारंपरिक **'मोधवेथ' महोत्सव** मनाया।

//

मोधवेथ महोत्सव क्या है?

- **परिचय:**
  - यह प्रतिवर्ष दिसंबर के अंतिम रविवार या जनवरी के पहले रविवार को मनाया जाता है।
  - यह **नीलगिरि ज़िले** में स्थित **मुथानाडु मुंड गाँव के मूनपो मंदिर** में आयोजित किया जाता है।
  - मूनपो मंदिर में एक **अद्वितीय ऊर्ध्वाधर शिखर है, जिसकी छत फूस की है तथा शीर्ष पर एक सपाट पत्थर है**, जो इसे नीलगिरी में अपनी तरह का अंतिम टोडा मंदिरों में से एक बनाता है।
- **अनुष्ठान और समारोह:**
  - आने वाले वर्ष में अच्छे स्वास्थ्य, बारिश और भरपूर फसल के लिये देवता, **थेनकशि अम्मान** से प्रार्थना की जाती है।
  - उत्सव के एक भाग के रूप में **प्रतिभागी मंदिर के बाहर नृत्य** प्रस्तुत करते हैं।
- **अनोखी प्रथाएँ:**

- टोडा युवा लगभग 80 किलोग्राम वज़नी **चिकना पत्थर उठाकर अपनी ताकत और पुरुषत्व का प्रदर्शन** करते हैं।
- पारंपरिक रीति-रिवाज़ों के अनुसार, **महिलाएँ इस समारोह में भाग नहीं** लेती हैं।

टोडा जनजाति क्या है?

- **परिचय:**
  - टोडा जनजाति **दक्षिण भारत के नीलगिरी पहाड़ियों** की एक **पशुपालक जनजाति** है।
  - **तमिलनाडु** में टोडा को **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG)** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
  - टोडा भाषा **द्रविड़** है लेकिन द्रविड़ परिवार की भाषाओं में **सबसे असामान्य और अलग** है।
- **महत्त्व:**
  - टोडा लैंड नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व का हिस्सा है, जिसे यूनेस्को द्वारा अंतरराष्ट्रीय बायोस्फीयर रिज़र्व नामित किया गया है।
  - उनके क्षेत्र को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **धर्म और विश्वास:**
  - उनकी धार्मिक प्रथाएँ **देवताओं के एक समूह के इर्द-गिर्द घूमती हैं,** जिनमें **टोकिसी (देवी) और ओन (अधोलोक के देवता)** केंद्रीय देवता हैं।

नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व

- **परिचय:**
  - यह **वर्ष 1986 में स्थापित भारत का पहला बायोस्फीयर रिज़र्व** था।
  - यह रिज़र्व तीन भारतीय राज्यों **तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल** में फैला हुआ है।
  - यह यूनेस्को के मानव एवं बायोस्फीयर कार्यक्रम **के अंतर्गत भारत का पहला बायोस्फीयर रिज़र्व** है।
  - **आदियान, अरनादान, कादर, कुरिचियन, कुरुमन और कुरुंबा** जैसे कई जनजातियों समूहों का आश्रय स्थल है।
  - यह विश्व के **अफ्रीकी-उष्णकटिबंधीय और इंडो-मलायन जैविक क्षेत्रों** के संगम को चित्रित करता है।
- **जीव-जंतु:**
  - नीलगिरि तहर**, नीलगिरि लंगूर, गौर,** भारतीय हाथी जैसे जानवर **और नीलगिरि डैनियो (डेवेरियो नीलघेरएन्सिस), नीलगिरि बारबरे जैसी स्वच्छ जल की मछलियाँ** यहाँ पाई जाती हैं।
- **NBR में संरक्षित क्षेत्र:**
  - मुदुमलाई **वन्यजीव अभयारण्य, वायनाड वन्यजीव अभयारण्य, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान,** मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान **और** साइलेंट वैली इस रिज़र्व के भीतर मौजूद संरक्षित क्षेत्र हैं।

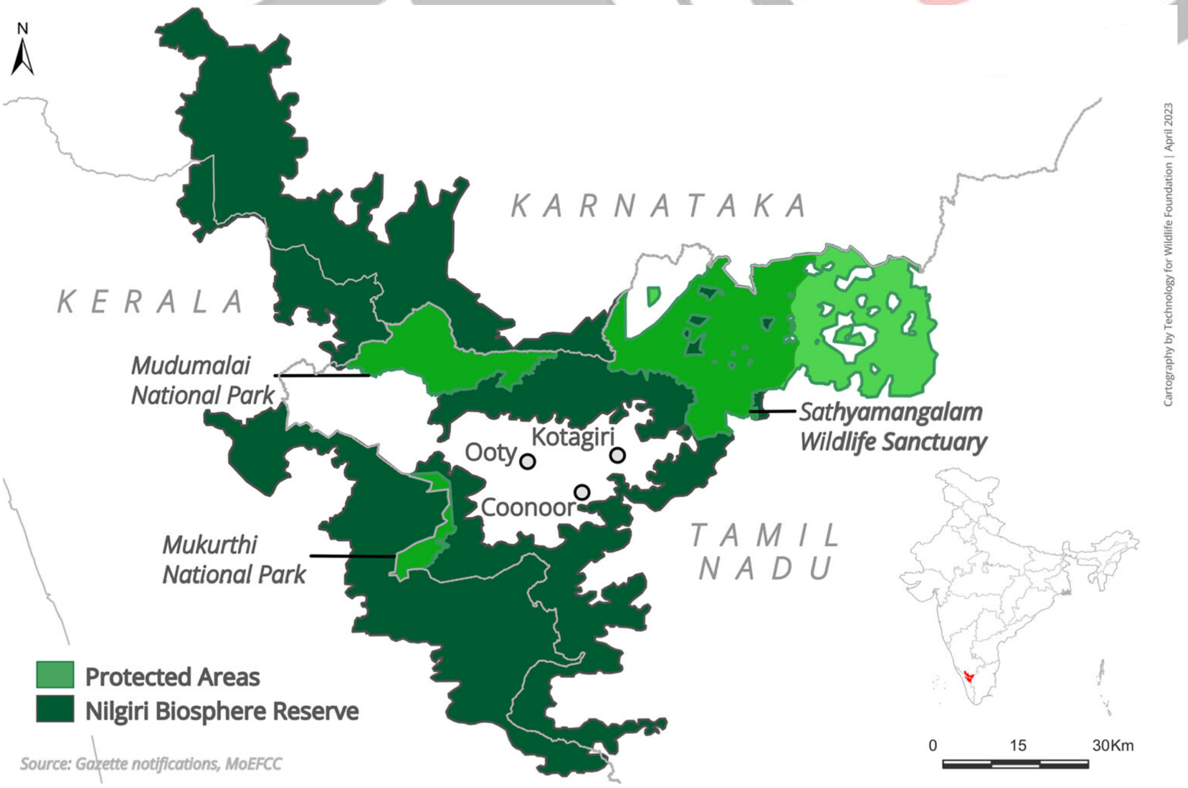

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2018)

शिल्प किस राज्य की परंपरा

1. पुथुक्कुली शॉल - तमिलनाडु
2. सुजनी कढ़ाई - महाराष्ट्र
3. उप्पाडा जामदानी साड़ी - कर्नाटक

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/modhweth-festival